2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: S.C Exam

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड | 0 | 5 | 1 | परीक्षा का विषय Hindi
2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 20/03/09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: U-2002 सेट: L-K

केन्द्र क्रमांक की सील

511049

उत्तर पुस्तिका का सीरियल क्रमांक K 023090

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	5	1	1	9	1	0	8

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

two	nine	five	one	one	nine	one	zero	eight

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में ____ अंकों में ____

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 13 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) 20.3.09

नाम श्रीमति प्रीति त्रिवेदी पद स.अ.

पता/संस्था शा. उ. मा. वि. रातीतलाई झाबुआ

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								
8								
9								
10								
कुल प्राप्तांक								

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई है। होलोग्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) Kalpna

परीक्षक क्रमांक 9150273

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक.........

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक 1/4/09

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्र.1)

(i) कृष्णा

(ii) गुलाबराय

(iii) बात ही बड़ी

(iv) द्विवेदी युग

(v) आठ

प्र.2)

(i) जब उनका घर जलमग्न हो गया

(ii) ईश्वर की ओर

(iii) उपमा

(iv) गोपाल सिंह नेपाली

(v) कर्मधारय

प्र.3)

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) असत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

प्र.4

i) यशोदा ने बसंत कहा है — सिद्धार्थ को

(ii) कन्या-कुमारी नाम पड़ा है — पार्वती के नाम पर

(iii) अमीरी की तुलना गरीबी अधिक सुखद है — महात्मा गाँधी

iv) अम्बुज — कमल

(v) मिसाइलें — पृथ्वी और अग्नि

प्र.5

i) सितम्बर का महीना था, किन्तु पानी नहीं बरस रहा था। इसीकारण त्राहि-त्राहि मची हुई थी।

(ii) सिरचन मानू को फैशनेबिल चिक पटेर की दो शीतलपाटी और एक जोड़ी आसनी कुश देने के लिए रेलवे स्टेशन गया था।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

3) बिना पानी के मोती, मनुष्य और चूना (आटा) महत्वहीन हो जाते हैं।

4) ~~यशोद~~ यशोधरा सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) की पत्नी थ

5) हंसिनी ने राज-काज प्रजा को सौंपने का सुझाव दिया।

उत्तर - 6

~~यशोदा ने देवकी को यह संदेश भेजा - बहिन ~~बहिन~~ देवकी ! तुम ही कृष्ण की माँ हो। मेर~~

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(6) प्र. अंक

B
S
E
M

उत्तर - 6

यशोदा ने देवकी को यह संदेश भेजा - बहिन
देवकी! तुम ही कृष्ण की माँ हो। मैंने तो
सिर्फ इसे पाल-पोष कर बड़ा किया है।
मेरे ऊपर भी दया बनाए रखना। वैसे तो
आप कृष्ण की सभी आदतें जानती होगी,
फिर भी मुझे आपको बताए बिना रहा नहीं
जाता। मेरा लाल प्रातःकाल उठकर माखन-रोटी
खाता है। वह उबटन, तेल और गर्म पानी को
देखकर भाग जाते हैं। वह जो भी माँगते हैं,
उसे मैं देती और क्रमशः मेरा लाल तेल,
उबटन लगाकर मेरा नहाता। मैंने जब से
उद्धव के मुख से सुना है, तब से मुझे रात-दिन
यह चिन्ता सताती रहती है कि मेरा लाल
वहाँ खाने-पीने में संकोच करता होगा।

उत्तर - 7

राम

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर - 7

कविवर भूषण ने छत्रसाल की बरछी की निम्न विशेषताएँ बताई है -

(i) छत्रसाल के हाथ में रहने वाली बरछी शत्रुओ को भयंकर रूप से घायल कर देती थी।

(ii) उनकी बरछी शत्रुओ के अंग - प्रत्यंग को काट देती थी।

(iii) छत्रसाल की बरछी शत्रुओ की प्राण वायु को पी जाती थी।

(iv) शत्रुओ के बख्तरो को फाड़कर उनके शरीर से ऐसे पार हो जाती जैसे तेज धारा मछली को चिर कर जाती है।

उत्तर - 8

दुनिया में दो अमोघ शक्तियाँ मानी गई है वह है - शब्द शक्ति
कृति शक्ति

शब्द शक्ति ने सारी दुनिया

को हिला कर रख दिया है बल्कि कृति शक्ति स्मृति की शक्ति है।

कस्तूरबा की शाश्वत शक्ति और कृति शक्ति में से अधिक निष्ठा कृति शक्ति में थी। उनके विचार से कृति शक्ति की नम्रता के साथ उपासना करके संतोष और जीवन-सिद्धि प्राप्त हो सकती है।

उत्तर-9।

सुभद्रा कुमारी चौहान ने 'तीन बच्चे' कहानी में तीनो बच्चो की दशा अत्यधिक दयनीय बताई है।

वह कहती है - बेचारा छोटा बच्चा, जो कि पाँच वर्ष का था, फटे चिथड़ो से लिपटा हुआ था। सिर के बाल गन्दे थे, न नहाने की वजह से उसके शरीर में मैल की परत जमी हुई थी। आँसूओ के अपने कारण उसके गालो में उसके निशान बन गए थे। यही नही उन दो लड़कियो की भी

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

नागार्जुन, आचार्य शास्त्री आदि प्रकाण्ड विद्वान् थे।

उत्तर - 11

'उल्टे बाँस बरेली' को कवि सुदर्शन ने यह कहना चाहा है कि - योग, भारतीय ऋषि-मुनियो की देन है, विदेशियो ने उन्हे सीखकर और उसका नाम परिवर्तित कर 'योगा' कहकर हमे ही नये रूप मे परोस रहे है और हमारे द्वारा 'योगा' कहकर सारे विश्व मे प्रचार कर रहे है।

" जो हमारी अच्छी-अच्छी संस्कृति और सभ्यता थी, उन्हे यहाँ से सीखकर हमें ही सीखा रहे है। और यह मुहावरा हम पर ही चरितार्थ हो रहा है - "उल्टे बाँस बरेली का"। कवि सुदर्शन का कहना है कि अब न हम है और न ही हमारा है क्योंकि हमने अपना सब-कुछ विदेशियो को सौंप दिया है अर्थात् उनके हवाले कर दिया है।

BSEMP

पृष्ठ के -

स्थिति नहीं थी, उनके पास भी पहनने के लिए कपड़े अच्छे नहीं थे। वे भी फटे-चिथड़ों में लिपटे हुए थे। वे गरीब और असहाय थे।

उत्तर-10

'पुस्तक' नामक निबंध में श्री देवेन्द्र दीपक ने नालन्दा विश्व-विद्यालय की निम्न विशेषताएँ बताई गई है –

(i) नालन्दा विश्व-विद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र में काफी दब-दबा रहा है है।

(ii) इस विश्व-विद्यालय में दस हजार विद्यार्थी अध्ययन करते थे और पाँच सौ अध्यापक अध्यापन कार्य करते थे।

(iii) इस विश्व-विद्यालय में बौद्ध-दर्शन, दर्शनशास्त्र, रसायन शास्त्र, खगोलविद्या, भाषा, व्याकरण, वेदों की शिक्षा और तंत्र-विद्या आदि की शिक्षण व्यवस्था थी।

(iv) इस विद्यालय (विश्व-विद्यालय) में आचार्य स्थिरमति, आचार्य गुण-मति, आचार्य सागरमति

उत्तर -12

(1) द्विवेदी युग

ⓐ पद्मसिंह शर्मा (पद्म राग

ⓑ सरदार पूर्णसिंह (सच्ची वीरता

निबंधकार रचनाएँ

① रामचन्द्र शुक्ल (चिंतामणि , त्रिवेणी)

② बाबू गुलाबराय (नर से नारायण , मेरी असफलताएँ

(ठलुआ क्लब)

उत्तर - 13

(अ) फूट - फूटकर रोना = अन्तर्मन से दुखी होकर रोना ।

वाक्य = शुभम जब परीक्षा में फिर फेल हो गया, तो वह फूट - फूटकर रोने लगा ।

ⓑ हँसी - खेल न होना = आसान काम न होना ।

वाक्य → आसमान के तारों को गिनना हँसी का खेल नही होता है ।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(ब)

i पुस्तक चुराई जाती है।

ii रविवार को छुट्टी रहती है।

14

(अ)(i) अपेक्षा = आशा।

वाक्य- राम की अपेक्षा श्याम अधिक बलशाली है।

उपेक्षा = अवेलहना।

वाक्य हमे किसी भी नियमो की उपेक्षा नही करनी चाहिए।

(ii) सुत = पुत्र

वाक्य दशरथ का सुत का नाम भरत है।

सूत = धागा।

वाक्य = मोतियो का हार जब टूट जाता है, वो उसे दूसरे सूत में पिरोया जाता है।

BSEMP

(ब)

(i) आप चुप रहो। शहर।

(iii) ~~कुछ~~ बच्चो ~~ने~~ घर की गंगाजी मे कागज की नाव बनाई और उसे मे तैराकर खुश हो रहे थे।

उत्तर - 15

"प्रकृति पर विजय पाकर ही मनुष्य दम लेता है"

प्रस्तुत पंक्तियो मे यह कहा गया है कि मनुष्य स्वभाव से ही हिम्मतवाला और दृढ़-निश्चयी रहा है। उसे सदा ही प्रकृति हर क्षेत्र मे चुनौती देती है। मनुष्य बड़ी धैर्यता के साथ प्रकृति के द्वारा दी गई चुनौती का सामना करता है। जब तक मनुष्य प्रकृति के द्वारा दी गई चुनौती पर विजय प्राप्त नही कर लेता तब तक वह उसका सामना करता रहता है अर्थात् वह उस पर विजय होकर ही राहत की साँस लेता है।

अतः यह कथन सत्य है कि-"प्रकृति पर विजय पाकर ही मनुष्य दम लेता है।

BSE

उत्तर - 16

विश्व - - - - - - - - रंजन है।

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक "मकरंद" के पाठ-11 'मेरे सपनों का भारत' से लिया गया है। इसके रचियता ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी है।

प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने भारत के सर्वांगीय विकास की ओर ~~इस~~ इशारा किया है कि भारत तुरंत बौद्धिक समाज की विशाल सेना को स्थापित रखने का दायित्व रखता है।

भावार्थ → ~~ए~~ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहते हैं कि सारा संसार एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है। भारत देश उद्यम (उद्योगों) के क्षेत्र में आगे है क्योंकि भारत तुरत बौद्धिक समाज की विशाल सेना को स्थापित रखने की क्षमता रखता है, जबकी बहुत कम विकसित देश सक्षम होते हैं। अतः वह कहते हैं कि भारत इसका लाभ उठा सकता है। वह यह भी कहते हैं कि भारतीय विकसित देश की श्रेणी में तभी आ सकेगा, जब वह अपने गौरवशाली अतीत,

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

वर्तमान योगदानो और भविष्य की रूप-रेखा के लिए प्राप्त प्रतिस्पर्धात्मक से लाभ उठा सकेगा। अतः भारत वौद्धिक समाज से लाभ उठा सकेगा तो वह विकसित देश कहलाएगा।

उत्तर-17

जैसा क - - - - - - जाता है।

संदर्भ -> प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक मकरंद के पाठ-12 'हिमालय और हम' से लिया गया है, इसके रचियता श्री गोपाल सिंह 'नेपाली' है।

प्रसंग -> प्रस्तुत पंक्तियो मे हिमालय के अविनाशी की भाँति भारतीयो को आँका गया है।

भावार्थ -> कवि कहते है कि हिमालय अटल और अडिग है उसीप्रकार हम भारतीय भी अविचल है। हिमालय पर्वत सारी धरती पर अमर है, तो हम भारतीय भी अविनाशी है अर्थात् हमारा अस्तित्व भी अमर है। कवि आगे कहते है कि शत्रु हमे क्या ललकारेगा, हमने तो कभी हिंसा से हारना नही सीखा है शत्रु हमें चाहे दुख देकर ही क्यो न मारे

B S E M P

हमारा दुःख तो गंगा का जल पीते ही नष्ट हो जाता है और हम दुःख में भी मुस्कारते रहते हैं। इसलिए कवि कहते हैं कि पर्वतराज हिमालय का भारत के साथ नाता ही कुछ ऐसा है कि वह हमारा है।

काव्य-सौन्दर्य =

(i) भाषा सरल और प्रवाहपूर्ण है।
(ii) मुक्तक शैली का प्रयोग हुआ है।
(iii) मानवीयकरण अलंकार का भी प्रयोग हुआ है।

उत्तर - 18

(i) वर्षा ऋतु का वर्णन किया गया है।

(ii) "वर्षा ऋतु का आगमन"

पहला प्रश्न का उत्तर = प्रस्तुत पद्यांश में कवि यह कहता है कि वर्षा ऋतु के आगमन से सारे वन-उपवन खुशी से झूम उठे की लहर छा गई। चारो ओर हरियाली ही हरियाली छाने लगी। जंगल में मोर आनन्दित होकर खुशी से नाचने लगे। उनकी सारी धरती और हरकते आकाश से घनघोर घटाएँ देख रही हैं।

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर -19

(i) " राष्ट्रीय चरित्र का विकास "

(ii) क्रियान्वयन = कार्य सम्पन्न करना।
राष्ट्रीय चरित्र = राष्ट्र समर्पण की भावना।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश मे यह कहा गया है कि राष्ट्रीय चरित्र का विकास ही प्रजातंत्र पर निर्भर करता है। किसी भी देश की नींव उसके यहाँ रहने वाले लोगो के चरित्र पर रहती है। जिसका चरित्र जितना अच्छा होगा, वह भविष्य मे भी उतना ही अच्छा और महान होगा। चरित्र से नैतिकता का विकास होता है और वही उसे सफल बनाती है। राष्ट्रीय चरित्र से राष्ट्र के गौरव मे वृद्धि होती है। इसीकारण भारत का सिर सारे विश्व मे ऊँचा है।

BSFNF

(1

B

उत्तर - 20

ई। पोलीटेक्निक
झाबुआ (म.प्र.)
पूज्यनीय पिताजी, दिनांक 20।03।09
सादर चरण स्पर्श,
मैं यहाँ कुशल मंगल हुँ और आप भी वहाँ कुशल मंगल होगे।
मुझे आपका पत्र मिला। जिसमे आपने मेरी पढ़ाई के बारे मे पूछा था और बोर्ड परीक्षा की कैसी तैयारी चल रह है, यह भी पूछा था। अतः मैं आपको बताना चाहता हुँ कि मेरी तैयारी अच्छी चल रही है। मैं प्रातःकाल जल्दी उठकर अध्ययन करता हुँ और जिस विषय मे मुझे ज्यादा परेशानी है, उसे मैं अधिक समय देता हुँ। मै प्रतिदिन सात-आठ घण्टे पढ़ाई करता हुँ। मुझे आशा है कि बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण होऊँगा।
घर मे सब कैसे है, यह मुझे ~~बताना~~ लिखना। माताजी को सादर प्रणाम और छोटी बहिन को मेरा प्यार कहना।

धन्यवाद

आपका पुत्र
नाम अ ब स
रोल No. 295118108

5/5 जांचा
20/03/09

B S E M P

21 निबंध

आतंकवाद

रूप-रेखा →

(i) प्रस्तावना
(ii) आतंकवाद का बढ़ता प्रकोप
(iii) आतंकवाद का समाज और देश पर प्रभाव
(iv) से आतंकवाद से दूर होने या उसे समाप्त करने के उपाय
(v) उपसंहार

प्रस्तावना →

आतंकवाद का हमारे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में तेजी से फैल रहा है। हम जैसे ही प्रातः काल उठते हैं और समाचार-पत्र अपने हाथ में लेते हैं, वैसे ही हमें आतंकवादियों द्वारा किया गया दुष्कर्म का पता चलता है। बम ब्लास्ट करना, रेल-गाड़ी को उड़ाना, हवाई-जहाज को अपहरण (हाईजेक) करना आदि गतिविधियाँ आतंकवाद के द्वारा किया जाता है। जिससे सारा विश्व इससे

पृष्ठ के अंकों का योग

परेशान है। किस समय क्या हो जाए, यह हम ज्ञात नहीं है। अतः हमें आतंकवाद की समस्या को सुलझाने का प्रयत्न करना चाहिए

(ब) आतंकवाद का प्रकोप :

आतंकवाद का प्रकोप हमारे समाज में निरंतर बढ़ते जा रहा है। प्रतिदिन हमें आतंकवादियों से सम्बंधित जानकारी मिलती है। न्यूज चैनल वालो के लिए यह एक शीर्षक बन चुका है। दिन-पर दिन आतंकवाद बढ़ते जा रहे है। कुछ दिनो पहले ही हमने मुम्बई बम ब्लास्ट के बारे में सुना है लाहौर में श्रीलंकाई खिलाड़ियो पर आतंकवादी द्वारा आक्रमण आदि इसका प्रकोप बढ़ते जाने के उदाहरण है।

पाकिस्तान में कई प्रकार के कैम्प चलते है, जहाँ आतंकवादी को ट्रेनिंग दी जाती है। यहाँ उन्हे वैध बंदूक, गोलियां हथियार आदि दिए जाते है और इनको इसका उपयोग करना सीखना है। पाकिस्तानी सरकार को इसका पता रहने के बावजूद वह कोई निर्णय (एक्शन) नहीं लेती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

ⓒ आतंकवाद का समाज पर प्रभाव :→

जैसे की आप सभी जानते हैं कि 26/09/08 में आतंकवादियो द्वारा मुंबई के ताज होटल पर आक्रमण किया गया अर्थात इन्होंने उसकी तीन मंजिलो में बम-ब्लास्ट किया जिससे सैकड़ो लोगो की जाने गई थी।

यह होटल भारत के सभी होटलों में से सबसे अच्छा और महंगा होटल था। इसीबीच भारत-इंग्लैण्ड के बीच क्रिकेट मैच चल रहा था और मेहमान टीम को अगले दिन ताज होटल में ठहरना था किन्तु उसके एक रात पहले ही इस ताज होटल पर आक्रमण कर दिया गया।

पाकिस्तान के लाहौर में पाकिस्तान-श्रीलंका के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा था। जब श्रीलंका खिलाड़ी बस से मैदान जा रहे थे, तभी आतंकवादियो द्वारा उस बस पर आक्रमण कर दिया जिससे कई खिलाड़ी घायल हो गये कुछ को तो अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह पूरे विश्व के लिए चुनौती बन गया है।

3) आतंकवाद को रोकने का प्रयोग =

जैसे ही आप सभी जानते है कि आतंकवाद ने सारी दुनिया की रीति-रिवाज अन्य गतिविधियो पर करारा आक्रमण किया है।

इसके लिए हम सभी संसार वासियो को एकत्रित होकर इस समस्या का समाधान करना होगा, तभी यह आतंकवाद रुकेगा अन्यथा नही।

सारे विश्व के लोगो को आपसी सहयोग के द्वारा देश और समाज को आतंकवाद के प्रकोप से बचाना होगा। हमे कोई भी क्षण व्यर्थ मे नही जाने देना चाहिए बल्कि शीघ्र ही उससे लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

~~कियी~~ कबीरदासजी ने कहा है

" काल्ह करे सो आज कर, आज करे सो अब,
पल मै प्रलय हो जावे, भोरी करेगा कब ॥

कबीरदासजी के दोहे का पालन करके शीघ्र ही आतंकवाद से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

उपसंहार =

आतंकवाद समस्त विश्व के लिए चुनौती बन गई है। इसका प्रभाव हमारे समाज में निरंतर बढ़ते जा रहा है इसका कारण खोजना होगा। जैसे की हम जानते हैं कि आतंकवादियो के पास दिल नही होना है, वरना वह इतने लोगो की जान नही लेते है।

वैसे भी आतंकवाद हमारे समाज द्वारा ही पैदा किया जा रहा है और लगता है कि अब वह सारे विश्व का विनाश कर देगा। इसके लिए हमें अभी से प्रयत्न करना होगा। सभी लोगो को आपसी वैर भुलाकर एकता के सूत्र में बंधकर आतंकवाद को रोकने का प्रयास करना होगा। तभी सारे संसार में शांति और खुशी की लहर छा पायेगी। अंत: आतंकवादी हमारे समाज का एक काला धब्बा है जिसे मिटाना अत्यन्त आवश्यक है। किसी ने कहा है—

कोई नही पराया मेरा घर संसार है,
मैं कहता हु जिओ और जीने दो संसार को,
जितना ज्यादा बाँट सको बाँटो जग,
में प्यार को"।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

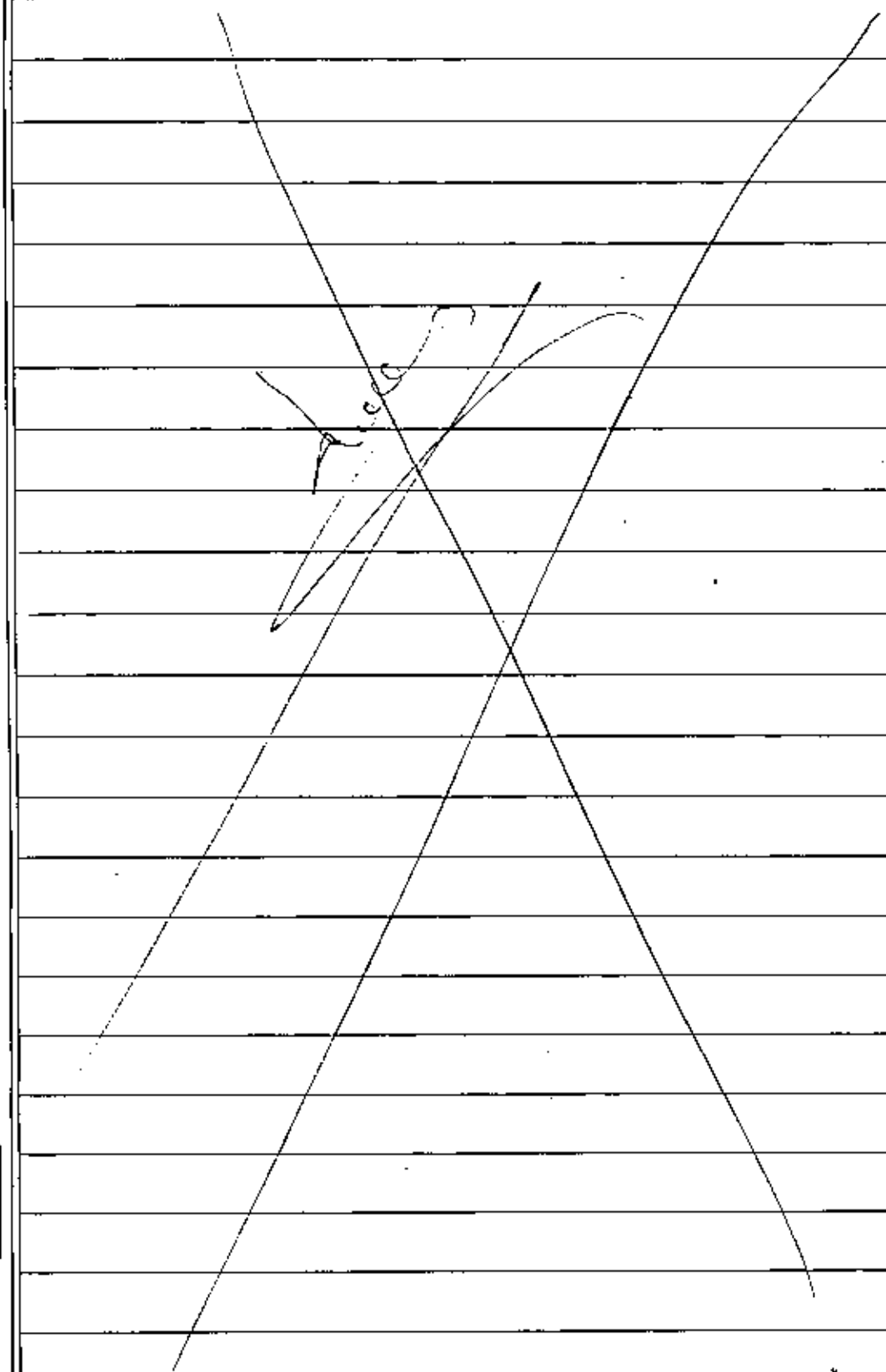

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक =

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग